

DR. RAJANI KANT

Dr. Rajani Kant is the Executive Director of Human Welfare Association, a grass-root level NGO, working since last 25 years at Varanasi and surrounding districts of Eastern U.P. for the cause of sustainable development of most marginal community with children, youth, women, and artisans weavers.

2. Born on August 5, 1960 at a remote village namely Jalalpur Mali in Uttar Pradesh, Dr. Kant completed his Graduation in Agriculture from National P.G. College, Barhalganj, Gorakhpur in 1980. Master degree in Soil & Agriculture Chemistry from Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology, Kanpur in 1983, Ph.D in Soil & Agriculture Chemistry-Botany from Banaras Hindu University, Varanasi in 1987. He served as Research Associate in the Banaras Hindu University for 5 years in Ganga Action Plan. After that he left the University in 1993 and joined Social Development Organization - Human Welfare Association, Varanasi, as Social worker on the various developmental issues and focus on Women Economic Empowerment, Skill Development, Child Right and Artisans and Weavers development.

3. Dr. Kant has played a vital role for protection & promotion of traditional crafts through Geographical Indication (GI) registration under Intellectual Property Rights. As a result of his initiatives, Varanasi region has 10 GI registered products and 17 products of Uttar Pradesh & 7 products of Uttarakhand are under GI process. More than 2 million people have get legally protected their traditional products under IPR and it is highest in the World in one Geographical area where GI craft is existing and growing in a comprehensive way for their uniqueness and excellent human skill. A few very important GI registered products are like - Banaras Brocade and Sarees, Handmade carpet of Bhadohi, Banaras Gulabi Meenakari, Varanasi Wooden Lacquerware & Toys, Mirzapur Handimade Dari, Nizamabad Black Pottery, Banaras Metal Repousee craft, Banaras Glass Beads, Ghazipur Wall Hanging, Varanasi Soft Stone Jali work.

4. Dr. Kant has participated in the various International programs abroad like — Study Tour to Indonesia, Bali and Singapore under the Technical Cooperation Training Programme, to Study Credit & Micro Enterprise Development in 2000 sponsored by the British Council and Govt. of India, Ministry of HRD, Orientation in Rural Tourism as Micro Entrepreneurship Development for the livelihood of rural Women, International Workshops organized by Ministry of External Affairs, Govt. of Israel in 2005, participation in India Pavilion in Turkey-Izmir International Fair in 2010; participated as a Speaker in the World Future Energy Summit 2012 (WFES) at Abu Dhabi and also participated in World Intellectual Property Organization (WIPO) Conference at Geneva Switzerland in 2015 on the issue of GI Registered IPR product of the India — Make In India Event.

5. Dr. Kant has been honoured with various awards like National Intellectual Property Award (2017), Samay Udyami Award (2012) and Best Social Entrepreneur and Lokmat Samman (2018.)

पद्म श्री

डॉ. रजनी कान्त



डॉ. रजनी कान्त जमीनी स्तर के गैर सरकारी संगठन ह्यूमन वैलफेयर एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक हैं। यह संगठन बच्चों, युवाओं, महिलाओं तथा दस्तकारों, बुनकरों वाले अत्यधिक निर्धन समुदाय के चिरस्थायी विकास के लिए वाराणसी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के आसपास के जिलों में पिछले 25 साल से कार्य कर रहा है।

2. उत्तर प्रदेश के एक सुदूरवर्ती गांव नामतः जलालपुर माली में 5 अगस्त 1960 को जन्मे डॉ.रजनी कान्त ने राष्ट्रीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बरहलगंज, गोरखपुर से 1980 में कृषि विज्ञानमें अपनी स्नातक डिग्री प्राप्त की। तत्पश्चात्, आपने मृदा एवं कृषि रसायन शास्त्र में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर से वर्ष 1983 में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की, आपने मृदा एवं कृषि रसायन शास्त्र-वनस्पति शास्त्र में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से 1987 में पी.एच.डी की।इसके बाद आप बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में गंगा कार्य-योजना के तहत रिसर्च एसोसिएट के रूप में 5 वर्ष तक कार्यरत रहे। इसके पश्चात, वर्ष 1993 में विश्वविद्यालय में रिसर्च एसोसिएट की नौकरी छोड़कर आप सोशल डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन-ह्यूमन वैलफेयर एसोसिएशन,वाराणसी, में विकास संबंधी विभिन्न मुद्दों विशेष रूप से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, कौशल विकास, बाल अधिकार तथा दस्तकारों और बुनकरों के विकास के लिए सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने लगे।

3. आपने बौद्धिक संपदा अधिकारों के तहत जियोग्राफिकल इंडीकेशन (जीआई) रजिस्ट्रेशन के माध्यम से पारंपरिक शिल्पों को संरक्षण देने तथा उनका संवर्धन करने के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आपके इन प्रयासों के परिणामस्वरूप,वाराणसी के10 उत्पाद जीआई पंजीकृत उत्पाद हैं और उत्तर प्रदेश के 17 उत्पादों तथा उत्तराखंड के 7 उत्पादों को जीआई पंजीकृत करने की प्रक्रिया चल रही है। 20 लाख से भी अधिक लोगों को आईपीआर के तहत अपने पारंपरिक उत्पादों के लिए कानूनी संरक्षण प्राप्त हुआ है औरयह संख्या एक ऐसे भौगोलिक क्षेत्र में विश्व में सबसे अधिक है जहां जीआई शिल्प अपने अद्वितीय एवं उत्कृष्ट मानव कौशल के लिए व्यापक तरीके से मौजूद है और उन्नति कर रहा है। बनारस ब्रोकेड और साड़ियां, भदोही के हस्तनिर्मित कालीन, बनारस गुलाबी मीनाकारी, वाराणसी कास्ट लेकरवेयर तथा खिलौने, मिर्जापुर हस्तनिर्मित दरियां, निजामाबाद के काली मिट्टी के बर्तन, बनारस मेटल रीपॉयसी शिल्प, कांच के बनारसी मोती,गाजीपुर के भित्ति अलंकरण (वॉल हैंगिंग्स),वाराणसी की शाफ्ट स्टोन जाली कारीगरी जैसे कुछेक बहुत ही महत्वपूर्ण जीआई पंजीकृत उत्पाद हैं।

4. आपने विदेशों में आयोजित विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लिया है जिनमें वर्ष 2000 में ब्रिटिश काउंसिल और भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित तकनीकी सहयोग प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत क्रेडिट और सूक्ष्म उद्यम विकास का अध्ययन करने के लिए इंडोनेशिया, बाली और सिंगापुर का अध्ययन दौरा, महिलाओं के लिए आजीविका उपार्जन हेतु सूक्ष्म उद्यमिता विकास के रूप में ग्रामीण पर्यटन में ओरिएंटेशन, वर्ष 2005 में इजरायल सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता, वर्ष 2010 में आयोजित तुर्की-इजमिर अंतर्राष्ट्रीय मेले में भारत मंडप में सहभागिता, अबू धाबी में आयोजित विश्व भावी ऊर्जा शिखर सम्मेलन 2012 (डब्ल्यूएफईएस) में वक्ता के रूप में सहभागिता और वर्ष 2015 में जिनेवा, स्विट्जरलैंड में आयोजित विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) सम्मेलन में भारत के जीआई पंजीकृत उत्पाद-मेक इन इंडिया इवेंट में भी भागीदारी जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

5. आपको राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा पुरस्कार (2017), समय उद्यमी पुरस्कार 2012 तथा उत्तम सामाजिक उद्यमी तथा लोकमत सम्मान 2018 जैसे विभिन्न पुरस्कारों को प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ है।